



अंकित तिवारी¹, शुभम गंगवार², जगन्नाथ पाठक³ एवं शिवम् सिंह⁴

¹सस्य विज्ञान विभाग,

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर

²फसलोत्तर प्रौद्योगिकी विभाग, ³मृदा विज्ञान विभाग,

बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बाँदा

⁴मृदा विज्ञान विभाग, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ (उ.प्र.) भारत।

Email Id: ankit.tiwari12130@gmail.com

प्रस्तावना

आजकल कृषि उद्योग ने विकासशील तकनीकों और वैज्ञानिक उपायों के साथ अपनी दिशा बदल ली है। भूमि की नींव पर निर्भर करने वाली भारतीय आर्थिक रूपरेखा में कृषि का महत्वपूर्ण स्थान है। इसमें सुरक्षित खेती का महत्व और इसके फायदे बताए जाएंगे।

सुरक्षित खेती का अर्थ

सुरक्षित खेती एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें किसान नई तकनीकों, बीजों, और खाद्य सुरक्षा को ध्यान में रखकर खेती करता है। इसमें विज्ञान, तकनीक, और सांविदानिक उपायों का समावेश होता है जिससे उत्पादन में वृद्धि होती है और किसान को अधिक लाभ होता है।

सुरक्षित खेती के लाभ:

यहां हम सुरक्षित खेती के कुछ महत्वपूर्ण लाभों पर चर्चा करेंगे:

1 उत्पादकता में वृद्धि:

सुरक्षित खेती के तकनीकी उपायों का अनुसरण करने से किसान अपनी फसलों की उत्पादकता में वृद्धि कर सकता है। नई तकनीकों का अधिकतम उपयोग करने से वह अधिक से

अधिक मात्रा में फसलों को उत्पन्न कर सकता है और इससे उसकी आय में वृद्धि होती है।

2. खाद्य सुरक्षा:

सुरक्षित खेती के प्रमुख लाभों में से एक यह है कि यह खाद्य सुरक्षा में सुधार करता है। उत्पादन में वृद्धि के कारण बाजार में अधिक से अधिक खाद्य उपलब्ध होता है और इससे लोगों को सस्ता और सुरक्षित भोजन मिलता है।

3 प्रदूषण कमी:

सुरक्षित खेती में उपयोग होने वाली तकनीकों प्रदूषण को कम करने में मदद करती हैं। यह नकारात्मक प्रभावों को कम करके और प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखकर प्रदूषण को नियंत्रित करने में सहायक होती है।

4 जल संरक्षण:

सुरक्षित खेती के उपायों में जल संरक्षण को ध्यान में रखने का भी एक महत्वपूर्ण स्थान है। किसान नई तकनीकों का उपयोग करके जल से बचत कर सकता है और सही समय पर सही मात्रा में पानी प्रदान करके फसलों को सुरक्षित बना सकता है।

5 बीमा और सुरक्षा:

सुरक्षित खेती के प्रमुख फायदों में से एक यह है कि यह किसान को बीमा और सुरक्षा प्रदान करता है। नई तकनीकों का उपयोग करने से किसान अपनी फसलों को नुकसान से बचा सकता है और इससे उसकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

सुरक्षित खेती के तकनीकी उपाय:

सुरक्षित खेती में तकनीकी उपायों का सही से उपयोग करना महत्वपूर्ण है। यहां कुछ महत्वपूर्ण तकनीकी उपायों पर चर्चा की जा रही है:

1 सुखा सहिष्णु बीज:

सुखा सहिष्णु बीजों का उपयोग करना सुरक्षित खेती में एक महत्वपूर्ण तकनीक है। ये बीज सूखे और पानी की कमी के मौसम में भी अच्छा उत्पादन कर सकते हैं और किसान को बारिश की आशा के बिना भी अच्छी खेती का अनुभव करने का सुनहरा अवसर देते हैं।

2 उच्च उत्पादकता के खाद्य सामग्री:

सुरक्षित खेती में उच्च उत्पादकता के खाद्य सामग्री का उपयोग करना महत्वपूर्ण है। यह किसान को अधिक मात्रा में फसल प्राप्त करने में मदद करता है और उत्पादन में वृद्धि होती है।

3 स्वच्छता और संरक्षण:

सुरक्षित खेती में स्वच्छता और संरक्षण का विशेष महत्व है। किसान को अपनी खेतों को स्वच्छ रखने और प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए उचित उपायों का पालन करना चाहिए।

4 स्वास्थ्य और रोग संरक्षण:

सुरक्षित खेती में स्वास्थ्य और रोग संरक्षण का विशेष ध्यान रखना चाहिए। सही खाद्य, पानी, और तकनीकों का उपयोग करके किसान अपनी फसलों को किसी भी रोग से बचा सकता है और उत्पादन में निर्भर होता है।

सुरक्षित खेती का महत्व:

सुरक्षित खेती का महत्व विभिन्न प्रकार से देखा जा सकता है:

1 आर्थिक विकास:

सुरक्षित खेती के उपायों का अनुसरण करने से किसान अधिक उत्पादन कर सकता है और इससे उसकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। अधिक उत्पादन के कारण उसे अधिक बाजार मूल्य मिलता है और उसकी आय में वृद्धि होती है।

2 पर्यावरण सुरक्षा:

सुरक्षित खेती का अन्य एक महत्वपूर्ण पहलुओं में पर्यावरण सुरक्षा भी शामिल है। यह तबादला के तरीकों का पालन करने और प्रदूषण को नियंत्रित करने के माध्यम से खेती को सतत बनाए रखने में मदद करता है। सुरक्षित खेती में जल, ऊर्जा, और अन्य संसाधनों का सही तरीके से प्रबंधन करने के लिए किए जाने वाले प्रयासों से प्रदूषण को कम करने में सहायक होता है।

3 आरोग्य सुरक्षा:

सुरक्षित खेती न केवल आर्थिक विकास में मदद करती है, बल्कि यह भी आरोग्य सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। खेती में उपयोग किए जाने वाले कीटनाशकों और उर्वरकों का सही से प्रबंधन करने से किसान और उसका परिवार स्वस्थ रह सकते हैं। सुरक्षित खेती से उत्पन्न खाद्य साफ, स्वास्थ्यप्रद, और पुष्टिकर होता है, जिससे लोगों को पूरे समृद्धि में जीने में मदद मिलती है।

सुरक्षित खेती का महत्व इस तथ्य को स्पष्ट रूप से दिखाता है कि यह न केवल किसानों के लिए फायदेमंद है, बल्कि समृद्धि, आर्थिक स्थिति, पर्यावरण, और आरोग्य के क्षेत्र में भी समृद्धि का माध्यम है। सुरक्षित खेती के प्रति समर्पण और उसके उपायों का प्रयोग करके हम समृद्धि और सामाजिक उत्थान की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।